# Ali Yavar Jung National Institute of Speech and Hearing Disabilities (Divyangjan) – AYJNISHD(D)

# अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान (दिव्यांगजन), मुंबई

## Department of Speech Language Pathology

## बाल्यावस्था वाक् एवं भाषा विकार से संबंधित आवश्यक जानकारी

### बाल्यावस्था भाषा विकार क्या है?

बाल्यावस्था भाषा विकार एक ऐसी स्थिति है जिसमें बच्चे को बोलने, शब्दों का प्रयोग करने या भाषा समझने में कठिनाई होती है, जबकि उसकी सुनने की क्षमता और बुद्धि सामान्य होती है। इसका प्रभाव बच्चे की पढ़ाई, व्यवहार, सामाजिक संपर्क और आत्मविश्वास पर पड़ता है।

### शुरुआती वर्ष क्यों महत्वपूर्ण हैं? (0–6 वर्ष)

०–६ वर्ष की आयु भाषा विकास का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है।

समय पर पहचान और उपचार से:

✓ भाषा एवं संवाद कौशल बेहतर होता हैं
✓ स्कूल की तैयारी आसान होता है
✓ आत्मविश्वास बढ़ता है
देर से उपचार करने पर समस्या बढ़ सकती है।

### उम्र के अनुसार चेतावनी संकेत

- 1–3 वर्ष

18 महीने तक कोई शब्द न बोलना
2½ वर्ष तक दो शब्द जोड़कर न बोल पाना

- 3–5 वर्ष

अस्पष्ट या गलत बोलना
प्रश्नों का उत्तर देने में कठिनाई

- 5 वर्ष के बाद

पढ़ने और लिखने में कठिनाई
व्याकरण की गलतियाँ
कक्षा के निर्देश समझने में परेशानी
अस्पष्ट या गलत उच्चारण

## माता-पिता क्या करें?

✓ स्पीच-लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट (SLP) से संपर्क करें
✓ समय पर स्पीच और भाषा थेरपी शुरू करें
✓ बच्चे से रोज़ बात करें, पढ़ें और खेलें
🚫 "थोड़ा बड़ा होने पर ठीक हो जाएगा" ऐसा न सोचें
🚫 स्क्रीन टाइम सीमित रखें

## संस्था की भूमिका

उपचार उपलब्ध कराना
वाक् एवं भाषा थेरपी में शामिल है:
वाक् एवं भाषा उत्तेजना
शब्दावली और वाक्य विकास
कहानी कहना और सामाजिक संवाद कौशल
माता-पिता के मार्गदर्शन में घर पर की जाने वाली क्रियाएं
जल्दी शुरू की गई थेरपी से बच्चे का समग्र विकास बेहतर होता है।

## रोकथाम एवं मार्गदर्शन

- बच्चों से रोज़ बातचीत करें
- कहानियाँ पढ़ें, बालगीत/कविताएँ गाएँ
- खेल और आपसी संवाद को प्रोत्साहित करें
- शिक्षकों और थेरपिस्ट के साथ समन्वय रखें


Get in Touch
022-26400228 / 69102100
speech-nihh@ayjnishd.nic.in
https://ayjnishd.nic.in
AYJNISHD(D) 📍 के. सी. मार्ग, बांद्रा रिक्लेमेशन, बांद्रा (प.), मुंबई – 400050